

অংকিতামাত্র - নবজাগরন চলন্তরণে ও বৈশিষ্ট্য

Sem-4, EC-10, Module - 1

— By T.K.D [২৭.৪.২০]

চৰনেমান বা নবজাগরন ব্যাখ্যিক আকৃতি অৰ্থ ইল
পুনৰ্জন্ম, কিন্তু এই আকৃতিক অৰ্থ ইলেক্ট্ৰ অংকীয়; পুনৰ্জন্মেৰ
ইল শুধীক ও দৰাচান অভ্যাসৰ প্ৰতি নতুন আৰোপন বা আস্থাৰ
হৃষ্টেৱেৰ আনুসৰে গৱৰ্ণৰভাৱে প্ৰতিবিত্ব কৰেছিল, কিন্তু ব্যাপক
অৰ্থে চৰনেমান ইল প্ৰমাণ পক্ষ চৰোছিল আৰম্ভন যা ইউৱৰাপেৰ কিন্তু
যোগিত্ব, দৰ্শন, বিজ্ঞান ও বৰ্জনীতিক কৰ্মসূৰ্য নতুন দিগন্তেৰ ঝুঁচনা
কৰেছিল, চৰনেমান অৰ্থপ্ৰণালী বিকাশিত হয় ইতালিতে, পশ্চাদ্বাৰা কাঠৰী
ছুড়ে এবং পৰিবৰ্ত্তিতে তা সময় ইউৱৰাপে ছড়িয়ে পড়ে। ইউৱৰাপে
সময় কৰ্মসূৰ্য ছুড়ে আজন্তু আকৃতি বৰ্তমান ও গিৰ্জা বা চৰ্চা দেৰ আধিপত্য
ছিল আৰ অৱসান ঘটায় নবজাগৰন। *

চৰনেমানেৰ উন্নৰক্ষণ নিয়ে পৰিচিত দেৱ বৰ্ণনা অতপৰ্য্য
আছে, তদে দৰিকৰণা কৰিত ও পৰিবেশক পশ্চাদ্বাৰা কাঠৰীক
কৰ্মসূৰ্য কৰ্মসূৰ্যকে চৰনেমানেৰ উন্নৰক্ষণ বলে অভিধিত কৰেছেন, কৰ্মসূৰ্য
সুমনজানদেৱ থাকে বৰ্মটেণ্টনেৰ নোপলেৰ পতনকে (১৫৩) মহলে
পূৰ্ব দৰাচান সাঙ্গাজেৱ অভ্যাস ও অংকৃতিক দেৱ পৰিবৰ্ত্তনেৰ
আজৰ দেৱা কিন্তু তাৰ উপত্থি পুৰুজু আচৰণ কৰে পৰি ১৫৩
মালবেই চৰনেমানেৰ সুৰ্যপাত বলে দৰাষ্টনা বৰতা হয়েছে, পৰিচয়
J. Bronowski ও B. Mazlish বলেছেন ১৫০ তেকে ১৫০০ মালেৱ
মধ্যে চৰনেমানেৰ প্ৰাপ্তি পৰ্যাপ্ত নক্ষয কৰা যায়, ১৫০ মালে শুটেনবাল
ক সুন্দৰ যন্ত্ৰ আকিষ্ট্যান নবজাগৰনেৰ আৰম্ভনকে পৰি নতুন গতি
মুক্তাৰ কৰেছিল।

কিন্তু কৰ্মসূৰ্য বৰ্মট্যান্টিচৰণেৰ পতন চৰনেমা-
নেৰ অন্ততম বৰান ইলেও শ্ৰবণ একটা ওনাক পুৰুজু ঘোটনাৰে
পত বড় অংকৃতিক আৰম্ভনেৰ প্ৰক্ৰিয়া বৰান বলে চিহ্নিত কৰা
হৈলীচিন যায়, এ কিন্তু অৰ্ব্যাপক Quentin Skinner হ'ল "The
Foundation of Modern Political Thought" পৰচ্ছে (Vol.- 1)
"The Origins of Renaissance" অৰ্ব্যামেৰ নবজাগৰনেৰ উৎসকে
শুঁজছুন স্বাধীনতাৰ কৰ্মসূৰ্য, তিনি দৰিদ্ৰেছুন দে, ইতালিক
শুঁজছুন স্বাধীনতাৰ কৰ্মসূৰ্য, তিনি দৰিদ্ৰেছুন দে, ইতালিক
অমাজ দিল আৱন্তু আকৃতি কৰিবেৰ পৰি যাব আজাজবৰ্তমান, জীৱন ও
জ্যোৎ মুক্ষৰেৰ অৰ্কণনীন দু কিন্ডেভিল দিল গৈশুভৰক্ষীত, অৰ্পণী
গৱেষণাৰ আধিপত্য বজায় দিল, সময় কৰ্মসূৰ্য ছুড়ে পাজৰ বাজাবং
মৈলো আজন্তু পুতুদেৱ স্বার্থ জড়িত আৰম্ভ কৰে ইতালিক ছাতা
উৎপাদিত কাস্তি ও উৎপাদন অৰ্পণৰেৰ কৰ্মসূৰ্য আজন্তু গৱে উৎপাদিল,
জৰু কিন্তু দিল পুৰোহিত তন্ত্ৰ, কিন্তু পৰি অনু অবৈই Skinner
দৰিদ্ৰেছুন তম, এক কালীন সময় আজাজিক কাস্তিপুলিত অংগীত ইউৱৰাপে
প্ৰিম পৰি পৰিক্ৰে সৃষ্টি কৰেছিল যা নবজাগৰনকে উৎপাদিত কৰেছিল।

ऐसे आमातिक दृष्टि वलते तिनि उदीयज्ञान तकिक अनुवीक्षा वलेकर, ऐसे उदीयज्ञान स्वार्थीनचता बनिकालेनी उद्यगतीन अन्नमें प्रचलित चार्ट ओं आमन्तुआन्त्रिक अवश्युक्ते अन्नमें ठड्डे दिते अवश्य इट्युद्विन, नमून नमून, पिस्तोल-इन्हें, वाजाबू सृष्टि, वानिजेचर जन्य जलपाने पाहि द्विमा, अग्निक दलनदेन्द्र अर्थिद्वेष वानिजेचर अन्नमें नमून गति आना, नियापाना, जन्य टेस्नवाहिनी गठन वाढ़ा, लजातान्त्रिक अवकाश्चर गति आम्हा नमून, कम्हामू दम 'New Social Order' गढे उट्टेद्विन ता नवजागरणेचे एक दप्तकाप्ते रुजन धरवेद्विन,

द्वेनम्हास मुगेव आनुम छिमाचेत याचेच नाग अवश्येह उमाहित इम अवू इलेन लिङ्गार्दा द्य लिंग, द्वर्षाक, द्वावण्डिओ, ईराम-आम, आर्णानीच फलनुटेन, दम्मदेन्द्र आद्युद्वेष्टम, ईंजनान्तु देशक्तपियाच, दाढ्डे, जाहिद्वेष एवजेळा, द्वजाबू देवकन, गजलिलिओ इम अवश्येह झजावियाजेली,

नवजागरणेचे नियम ठडे अवदान इल आववावाद (Humanism). आनवश्यावाजेचे अर्थ इन - उद्घेष्टेचे गतिहत्ते आनुम ओ आनवश्यावाजेके देवोद्विक चिन्ताजावनार ठड्डेन्ह भावन वाढ़ा, या दीर्घदिन धर्तु त्वेह अन्न देवेके वड्डु आनुम वस्त्रित्वे द्विल, नवजागरण द्विल आनुमेच आम्हाजागरण - आम्हा अविस्काचेचे आवेलन, उद्याने उद्घेष्टेचे गतिहत्ते आनुमदेव प्रविन्य द्वित्त्वा इम, आनुम अवू अविस्काचे उद्घेष्टेचे आवाजेचे आवाजेके ठिरजर्व दिम्ह आविस्काचे करल निजेचेके श्रवं उपलक्ष्य द्ववल निजेचे उद्घेष्ट अवश्यावाजेओ आवलम्बेचे विपुलतावेचे, आनुमदेव देव्या इल असीद्य उद्घेष्टाचे अविकाची हिमाचेत, अजग्म अविस्काचे उद्घेष्ट आनुम अवश्यावरे द्य ठेविवाचेचे जानेवार देव्या दिम्हेद्विल ताढे अवदान दोत्तम नवजागरणेचे आनुमदेव देव्या इम युक्तिवादी छिमाचेत, द्य युक्तिवादी आनुम निजेज आन, उद्घेष्ट, स्वर्णीन्ता स्वाढ़ा अवविद्युतेव वुकाते, जावेके आग्नेयी, नवजागरणेचे नियम आवज्ञा जानविक द्वित्ति,

नवजागरणेचे गडने एक स्वार्थीनचता New-Man धार्म गडे उद्दे, निलम, आवित्य, विकान, संस्कृति चर्चा इर्थ्य दिम्हे नवजागरण देवेके दिवकित इम्हे उटेद्विन, अवू चूल लक्ष्य द्विल अवू स्वार्थीनचता, आम्हाविक्षावी ओ वर्षवीचे आनुमेच अवजान वाढ़ा, त्वेह आनुम ताढे आमज्ञेच जन्य उद्घेष्ट अवश्या उद्गेष्ट उपाद निर्भव न वाढेच प्रथल आम्हाविक्षावेचे शक्तिहत्ते आक्तिमान इम्हे निजेचे युक्ति ओ दपेकिलेचे उपाद तितिवाचे अवश्यिका नवेक्षेत्र दिवेके अवश्यम इम, नमून- नमून देवा आविस्काचे, अवगेचे आविस्काचे निविज्ञाय वडम्हा, विज्ञान- प्रमुक्तिचे उद्भव, उदीयज्ञान बनिविज्ञावी, दुर्जाया उद्भवीचे प्रजावपुस्त द्विल, द्येवेश्वर उदीयज्ञान शेवी दिम्हे धर्वनेचे (New-Man) आनुमदेव गृहन वडवेद्विल आद्यु आद्यका छिद्रवेवे आवू ठेला येते पादे द्य, नवजागरण आनुमेच अवजान वडवेद्विन, देवेश्वर आनुम द्विल प्रवृत्तमात्रे द्वूर्जाया आनुम, ता अस्त्रे उटेद्वेष्ट उपेक्षा वाढ़ा याय ना, उटेवापेचे उटेवापेचे नवजागरणेचे अविस्काचे अवकाशवर्जन्य अविद्याचे अवदान गटिम्हे अर्द्धनिकाचाचे चूचना वडवेद्विन नवजागरण, अचिल एवज्ञेचे एक मुज त्येघाने युक्ति-विक्षावेके द्वानान्तु तित्वाचे वाढ़े, अजग्यन्त्रित्वाचे चूदे अविम्हे जाय वर्षवापात, अमातजीत्वाचे उक्ते गतिकाल, द्वात्तेविक व्यवजा वक्षनीच्च इम, उटेवाचे आविस्काचे

গৃহের প্রধান নাড়ি বাঢ়ে, আর এই অজন্তু বিষয়বৃলিকা-মিনি
"The Prince" (১৫১৩) হচ্ছে উপন্যাসের বাঢ়ের ভিত্তি ইলেন
ক্যারিয়াজেলি; যারের রচনাগুরুর অঙ্গান ঠলা হয়,

* ইউট্রোপীয় রচনাগুরুর উদ্দৃত হয় ইতালিতে, বাবুন্দে
শুভিদারী অনুরূপ জায়গত পরিষেবা সৃষ্টি উৎসে রচনাগুরুর হয়ে
জুড়ে ইতালিতে তাৰ অৰপ্যমান স্মৃতিপাত্ৰ প্ৰয়োক্তিৰ মধ্যেই আ
পঞ্চিতি হয়ে ওঠে, ইউট্রোপেত রাষ্ট্রসুস্থিৰ শৈক্ষণিক প্ৰয়োগ
ৰাণিজ্য ক্ষেত্ৰ হয় অৱন বানিজ্যৰ জায়গে ছিল অলপথ, আৰু স্বে
জলপচারী ব্যাপক স্বীক্ষণ ছিল ইতালিতে, আৰু ইতালিত তিৰ দিকেই ছিল
সম্মুখ জনবেষ্টিত, অন্যত্র পৃথিবী জলপথ ছিল ঝুঁঝুঁয়ে মাচাৰ, আৰু
অলগ্ন প্ৰয়োক্তি আৰু অন্তৰদেশে ছিল অৱস্থা নদী ও ঘাস, পৰ্যু অনুরূপ
জৈগোলিক অবস্থানৰ জন্য অনুরূপীয় ও বহিঃদেকীয় বাণিজ্যেৰ
ব্যাপক প্ৰয়োক্তি অৰপ্যমান ইতালিতে, অই ইউট্রোপেত ইতালিতেই
রচনাগুরু এক অভিনব উচ্চুল আলোক আলোকিত হয়ে ওঠে,

দ্রষ্টব্যঃ— * রচনাগুরু ^১ Stanza ~~১~~ দ্বি ২nd Stanza
তে হচ্ছে,